

प्रश्न :- कृपे पाठ्य पुस्तक में दी गई उदाहरणों में दी गई उदाहरणों को देखकर नीचे दी गई उदाहरणों को लिखिए।
 ताल - तीसताल राग - जोशजयन्ती (गण्डारग) होला रेखा

स्वाधी: गुरु मेरी लास्यो मोहन दीया ।
 हिम में पेम की उतल त रेखा ॥

अंतरा: - जिन दे खे तिन उषाम लखामे
 रेखा गई चूर उषामाल रेखा ॥

3	X	2	0
नि सा ध नि	रे - रे -	रेणु गुण ग ग	रे ङ रे सा
ग न मे रो	ला ऽ गुं ऽ	गो ऽ ऽ हु न	सं ऽ ऽ ज
ग म प धा	नि - ध प	म ग म प	म गुं रेणु रेसा
हि य में ऽ	प्रे ऽ म की	उ ठ त न	रं ऽ ऽ ऽ ऽ

	अंतरा		
3	X	2	0
ग म प नि	सां ऽ सां सां	नि सां ध नि	रें - सां -
जिन दे ऽ	खूं ऽ नि त	श्या ऽ म ल	खा ऽ वे ऽ
सां नि ध प	धां ग म म	सां नि ध म गुं	रे ङ रे सा
रं ग ग ई	चूं ऽ न र	श्या ऽ ऽ म ल	रं ऽ ऽ ज

तानें

- ① नि सा ध नि रेणु रेसा / रे - गुं रेणु रेसा - स्वाधी की तानें
- ② रेणु रेसा नि सा ध नि / रे - गुं रेणु रेसा - "
- ① गुं प नि सां - सां - / नि सां ध नि रें - सां - - अंतरा की तानें
- ② नि सां ध नि रें - सां नि / ध प नि सां - सां -

प्रश्न :- कपताल का परिचय एवं इसके उच्चदुर्गुण त्रिगुण एवं चोर्गुण की लक्षकारी में लिखें।

कपताल का परिचय

कपताल 10 मात्रा का ताल है। इसमें चार विभाग तीन वाली एवं एक खाली है। इसके प्रथम विभाग में दो मात्रा दूसरे विभाग में 3 मात्रा तीसरे विभाग में 2 मात्रा एवं चौथे विभाग में 3 मात्रा है। $2+3+2+3=10$ इस ताल का प्रयोग आधन, कोहन एवं नृत्य गीतों में होता है।

उच्च

मात्रा - 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10
 कोल - पी ना | पी ची ना | ती ना | पी पी ना |
 चिह्न - X 2 0 3

दुर्गुण

पीना पीपी | नाती नापी पीना | पीना पीपी | नाती नापी पीना |
 X 2 0 3

त्रिगुण

पीनापी पीनापी नापीची नापीना पीपीना | तीनापी पीनापी | नापीपी |
 X 2 0 3

चोर्गुण

X पीनापीपी नातीनापी पीनापीना पीपीनाती नापीपीना |
 2 पीनापीपी नातीनापी पीनापीना पीपीनाती नापीपीना |
 0 पीनापीपी नातीनापी पीनापीना पीपीनाती नापीपीना |
 3 पीनापीपी नातीनापी पीनापीना पीपीनाती नापीपीना |